पाठ-3

मध्यप्रदेश की संगीत विरासत

आइए सीखें : ● संगीत के प्रति रुझान ● मध्यप्रदेश के संदर्भ में संगीत और संगीतज्ञों की जानकारी ● सामासिक शब्दों का अभ्यास ● संधि की पहचान ● संधि से संबंधित कुछ शब्द ।

(पाठ परिचय-*मध्यप्रदेश में भारतीय संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखने का भगीरथ प्रयास किया गया है। संगीत भारतीय संस्कृति की आत्मा है। प्रस्तुत पाठ, संगीत की साधना-स्थली मध्यप्रदेश के जीवन-राग का परिचय देता है और संगीत के क्षेत्र में विशेष योगदान को रेखांकित भी करता है।)*

स्वतंत्रता के लिए रणभेरी से लेकर विकास की मधुर तान तक की यात्रा, मध्यप्रदेश के गौरव और इतिहास की यात्रा है। यहाँ की मिट्टी, पत्थरों और हवाओं में वैभव की सुगन्ध विद्यमान है। प्रकृति की छटा देखकर जहाँ शब्द कविता बनकर बह निकले, उल्लास, उमंग ने भावनाओं को झंकृत कर नृत्य को रचा, वहीं स्वर- आलाप ने अपने जादू से हृदयों को मंत्र-मुग्ध कर संगीत का संसार बसाया।

आराधना, साधना और प्रार्थना ने संगीत को संजीवनी बनाया। अतीत से वर्तमान तक मध्यप्रदेश अपने इतिहास में संगीत के कीर्तिमान स्थापित करता चला आ रहा है। संगीत की शक्ति से दीप जलाना और वर्षा कराना संगीत की साधना की विजय है।

संगीत सम्राट तानसेन को कौन नहीं जानता? एक बार की बात है, बादशाह अकबर ने अपने दरबार में तानसेन से अपने संगीत का प्रभाव दिखाने का हठ किया। तानसेन ने तन्मय होकर दीपक राग की साधना की। धीरे-धीरे स्वर आलाप सिद्ध होते गए और देखते-ही-देखते दरबार में रखे दीप जल उठे।

सोलहवीं सदी के महान गायक तानसेन का जन्म ग्वालियर के पास स्थित बेहट ग्राम में हुआ था। स्वामी हरिदास उनके गुरु थे एवं बैजू बावरा उनके गुरु भाई थे। मध्यकालीन भारत में संगीत की अनूठी परम्परा रही है। यह परम्परा ग्वालियर घराने से प्रारंभ हुई। ग्वालियर के राजा मानसिंह तोमर ध्रुपद गायन के प्रणेता और संगीत प्रेमी थे। ग्वालियर (मध्यप्रदेश) में अखिल भारतीय तानसेन समारोह का तीन दिवसीय आयोजन किया जाता है। यह आयोजन संयुक्त रूप से समाधिस्थल ग्वालियर और उनके जन्मस्थान बेहट में किया जाता है।

शिक्षण संकेत : ■ कोई सरल गीत गाकर उसकी मधुरता और उसके प्रभाव पर चर्चा करें ■ बच्चों से गीत सुनाने को कहें ■ संगीत के बारे में बच्चों से पूर्व से प्राप्त जानकारी के आधार पर आगे चर्चा करें।

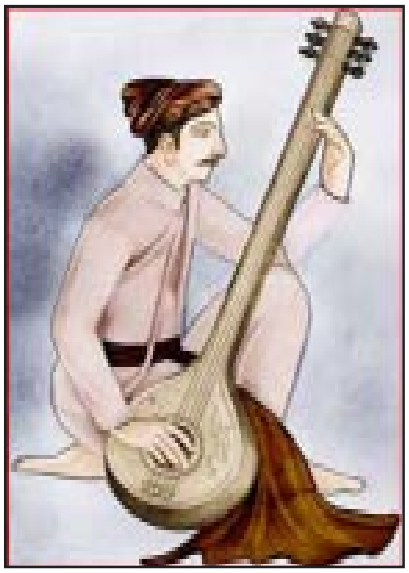

स्वर सम्राट तानसेन

तानसेन संगीत की दुनिया के सम्राट कहे जाते हैं।

शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में दरबारी, तोड़ी, मियाँ मल्हार और मियाँ की सारंग आदि अनेक राग-रागिनियों की रचना तानसेन ने ही की थी। तानसेन ने संगीत की जो तान छेड़ी, वह आज भी हमारी धड़कनों में बसी है। उनकी उपलब्धियाँ सृजन, यश के रूप में आज भी जीवंत हैं।

संगीत की महागंगा तानसेन के बेहट से ग्वालियर होती हुई मैहर को भी पावन करती है। मैहर की शारदा भवानी का पुण्य-तीर्थ प्रख्यात सन्तूर-वादक उस्ताद अलाउद्दीन खाँ को पाकर संगीत का तीर्थ हो गया। सन्तूर की खनक से उत्पन्न गीतों की सुरमय ध्वनियाँ आज भी उस्ताद की याद दिलाती हैं। विदेशों तक अपने संगीत की पताका मैहर बैण्ड के माध्यम से आज भी फहरा रही है। उनकी स्मृति में अलाउद्दीन खाँ संगीत अकादमी की स्थापना की गई है।

ऋषि, मुनियों और साधकों की हजारों वर्षों की तपस्या एवं परिश्रम का प्रतिफल है - संगीत। कहा जाता है कि जिस समाज में कला का स्थान नहीं होता वह समाज भी प्राणहीन हो जाता है। जिस समाज में कुमार गंधर्व जैसे संगीत-प्रेमी पैदा हो जाते हैं, वह देश धन्य हो जाता है। कुमार गंधर्व का वास्तविक नाम सिद्राम कोमकली था। आपने पण्डित बी. आर. देवधर से संगीत की शिक्षा प्राप्त की। सात वर्ष की अल्पायु में ही वे बाल-गायक के रूप में विख्यात हो गए थे।

कुमार गंधर्व ने जहाँ मालवी गीतों को राग दरबारी ढंग से गाकर नए आयाम दिए, वहीं सूर, तुलसी, कबीर और मीरा के पदों को गाकर उन्हें जन-सामान्य तक स्वर-सरिता के माध्यम से प्रेषित किया। राग-मालवती, लग्न-गंधार सहेली तोड़ी और गांधी मल्हार रागों की रचना की। अनूप राग-विलास' नामक पुस्तक लिखकर संगीत प्रेमियों को संगीत की सीख भी दी। संगीत-सेवा हेतु आपको पद्मभूषण, पद्मविभूषण, कालिदास सम्मान और शिखर सम्मान से विभूषित किया गया। देवास में प्रतिवर्ष 'कुमार गंधर्व संगीत समारोह' का आयोजन होता है

संगीत साधक कुमार गंधर्व

जिसमें संगीत के प्रति श्रद्धा, विश्वास और प्रेरणा हेतु 'कुमार गंधर्व सम्मान' प्रदान किया जाता है।

संगीत की महिमा अनंत है। संगीत की शास्त्रीयता जहाँ साधना को महत्व देती है, वहीं उसकी मधुरता, आत्मिक शांति और जीवन जीने की उमंग उत्पन्न करती है। संगीत में पगे गीतों को सुनकर जहाँ आदमी थिरक उठता है, वहीं करुणा में डूबकर आँसू बहाने पर विवश हो जाता है। संगीत जब जन-साधारण को प्रभावित करने लगता है, तब उसका सामाजिक महत्व बढ़ जाता है। इस संदर्भ में फिल्मी गीतों को विस्मृत नहीं किया जा सकता। 'ऐ मेरे वतन के लोगो ..... ' ऐसा गीत था कि जब इसे गाया गया तब प्रत्येक सुनने वाले व्यक्ति की आँखों में आँसू और हृदय में राष्ट्र के प्रति अगाध प्रेम व्याप्त था। इस गीत को इतने प्रभावशाली ढंग से गाया था स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने।

मध्यप्रदेश के इंदौर नगर में जन्मी लता मंगेशकर ने गायन की यात्रा 1947 से प्रारंभ की। उन्होंने हर भाव, धर्म और भाषा के गीतों में अपने स्वरों को सँजोया, इसलिए वे समूचे राष्ट्र की गायिका हैं। कहते हैं उनके गले में सरस्वती स्वयं विराजमान हैं। तभी तो आयु के इस पड़ाव में भी उनके गायन में अभी भी आकर्षण है। यह उनकी संगीत की साधना और निरन्तर तपस्या का फल है। वे अपनी दिनचर्या के प्रति सदैव सचेत रहती हैं। उनकी इच्छा-शक्ति ही उनकी सफलता का मूलमंत्र है।

स्वर कोकिला लता मंगेशकर

लताजी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारतरत्न' से सम्मानित किया गया। उनको प्रदत्त अन्य पुरस्कारों में 'दादा साहब फालके', 'पद्मभूषण' एवं 'पद्मविभूषण' प्रमुख पुरस्कार हैं।

संगीत और मध्यप्रदेश एक दूसरे के पूरक लगते हैं। संगीत की चर्चा मध्यप्रदेश का उल्लेख किए बिना पूरी नहीं हो सकती। संगीत की कोई सीमा नहीं है। प्रदेश का हृदय भी विस्तृत है। विभिन्न कलाएँ यहाँ की मिट्टी में अंकुरित होकर पल्लवित होती रही हैं। संगीत का वट-वृक्ष यहाँ स्वर-प्रेमियों को छाया और सहृदय जनों को सुरभि प्रदान कर रहा है।

-लेखक गण

शिक्षण संकेत : ■ बच्चों को पुस्तक में आए सूर, तुलसी, कबीर आदि के पदों को गाने के लिए प्रेरित करें।

अभ्यास

बोध प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से खोजकर लिखिए -

ध्रुपद ---------- गुरुभाई ----------

विरासत ---------- जीवन्त ----------

प्रणेता ----------

प्रश्न 2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए-

क. मध्यप्रदेश में कौन-कौन से प्रमुख संगीतकारों ने संगीत की साधना की ?

ख. मध्यप्रदेश में संगीत की राज्य अकादमी किस महान संगीतकार के नाम से कहाँ पर स्थापित की गई है?

ग. भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान संगीत के क्षेत्र में किसे दिया गया था?

घ. कुमार गंधर्व का वास्तविक नाम क्या था ?

ङ. सरस्वती किस संगीतज्ञ के गले में विराजमान मानी जाती है?

प्रश्न 3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए-

क. संगीत का वास्तविक महत्व कब होता है ?

ख. कुमार गंधर्व ने कौन-कौन-से रागों की रचना की ?

ग. बादशाह अकबर के दरबार में तानसेन ने क्या चमत्कार कर दिखाया था ?

घ. लता मंगेशकर को कौन-कौन-से सम्मान व पुरस्कार प्राप्त हुए हैं?

ङ. संगीत की महिमा अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

च. पाठ में आए संगीतकारों में से आपको कौन-सा संगीतकार सबसे अच्छा लगा और क्यों?

प्रश्न 4. सही विकल्प चुनकर लिखिए -

(क) तानसेन के गुरु थे -

1. बैजू बावरा
2. स्वामी हरिदास
3. राजा मानसिंह तोमर
4. पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर

(ख) प्रख्यात संतूर वादक थे –

1. अलाउद्दीन खाँ 2. कुमार गंधर्व

3. तानसेन 4. बिस्मिल्लाह खाँ

प्रश्न 5 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

अ. बालगायक के रूप में ---------- अल्पायु में विख्यात हो गए थे।

आ. ---------- संगीत सम्राट कहे जाते हैं।

इ संगीत नृत्य का अखिल भारतीय कार्यक्रम संगीतकार --- की स्मृति में होता है।

ई. जिस समाज में कला का स्थान नहीं वह ---------- हो जाता है ।

भाषा-अध्ययन

प्रश्न 1. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए और लिखिए –

झंकृत, समृद्ध, अन्वेषण, ध्रुपद, अन्तर्राष्ट्रीय, शास्त्रीय, अक्षुण्ण, वैशिष्ट्य, श्रद्धांजलि।

प्रश्न 2. निम्नलिखित वाक्यों में से सामासिक शब्द छाँटकर, उनके समास का नाम लिखिए-

क. राजपुत्र प्रतिदिन माता-पिता को प्रणाम करता था।

ख. पीताम्बर धारण किए कमल-नयन भगवान प्रकट हुए।

ग. राजभवन के रसोईघर एवं शयनकक्ष बहुत विशाल हैं।

प्रश्न 3. पाठ के आधार पर निम्नलिखित शब्दों की सही जोड़ियाँ बनाइए –

अनूठी	मुग्ध
ग्वालियर	तान
मंत्र	परम्परा
रण	घराना
मधुर	भेरी

प्रश्न 4. 'प्राण' शब्द में 'हीन' जोड़कर 'प्राणहीन' शब्द बना है। इसी प्रकार 'हीन' जोड़कर पाँच अन्य शब्द बनाइए।

प्रश्न 5. निम्नलिखित शब्दों का सन्धि-विच्छेद कीजिए और संधि का प्रकार भी लिखिए-

दिगम्बर, उल्लास, सम्मान, इत्यादि।

प्रश्न 6. निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति दिए गए शब्दों में से उचित शब्द छाँटकर कीजिए-

(संगीत सम्राट, दीपक राग, स्वामी हरिदास, बाल गायक, भारतरत्न)

अ. तानसेन ने तन्मय होकर -------- की साधना की।

आ. लता मंगेशकर जी ने भारत का सर्वोच्च पुरस्कार -------- प्राप्त किया।

इ. ---------- तानसेन को कौन नहीं जानता है।

ई. तानसेन के गुरु ---------- थे ।

उ. कुमार गंधर्व सात वर्ष की आयु में ---------- के रूप में विख्यात हुए।

योग्यता विस्तार

1. पाठ में आए संगीतकारों के अतिरिक्त प्रदेश व देश के अन्य प्रमुख संगीतकारों के नाम और संगीत के प्रति उनके योगदान की जानकारी पुस्तकालय से एकत्रित कीजिए।

2. लता मंगेशकर द्वारा गाए राष्ट्रीय गीतों को संकलित कीजिए एवं उन्हें लयबद्ध रूप में गाने का प्रयास कीजिए।

3. मालवा, बुन्देलखण्ड, बघेलखण्ड एवं निमाड़ के लोकगीतों का संकलन कीजिए।

4. आपको किस प्रकार का संगीत अच्छा लगता है? अपने शब्दों में लिखिए तथा कक्षा में बताइए।